राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 270 | जौनपुर | मंगलवार, 20 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

एमजीयूजी में नर्सिंग पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा संपन्न'

गोरखपुर , (संवाददाता)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में सत्र 2025–26 में प्रवेश हेतु रविवार को दो पालियों में नर्सिंग पाठ्यक्रमों (बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग) की संयुक्त प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर के दो केंद्रों नर्सिंग व पैरामेडिकल संकाय और गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में सकुशल संपन्न हुई। दोनों पालियों को मिलाकर 3567 अभ्यर्थी इस प्रवेश परीक्षा में सम्मलित हुए। एमजीयूजी में आज हुई प्रवेश परीक्षा की विशिष्टता यह भी रही कि किंचित कारणों से प्रवेश पत्र न लाने अथवा पहली पाली में अनुपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को पूर्व नियोजित विशेष प्रबंध के तहत परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं के तहत आवेदकों के लिए सहायता केन्द्र व अभिभावकों के लिए परिसर में जल के साथ गुड़, वाहनों के लिए समुचित पार्किंग की ।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के साथ हमारे संघर्ष विराम की कोई समाप्ति तिथि निर्धारित नहीं है

जम्मू–कश्मीर, (एजेंसी)। भारतीय सेना ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य शत्रुता समाप्त करने के लिए सहमति खुली हुई है और फिलहाल इसकी कोई "समाप्ति तिथि" नहीं है, उन्होंने इस्लामाबाद से आई उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया कि युद्ध विराम को हाल ही में 18 मई तक बढ़ा दिया गया है। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, सेना ने कहा, "जहां तक शत्रुता में विराम जारी रखने का सवाल है, जैसा कि 12 मई को डीजीएमओ के बीच बातचीत में तय किया गया था, इसकी कोई समाप्ति तिथि नहीं है।" यह स्पष्टीकरण पिछले सप्ताह पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार द्वारा यह कहे जाने के बाद आया है कि पाकिस्तान ने गुरुवार को दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच फोन कॉल में भारत के साथ संघर्ष विराम को रविवार तक बढ़ाने पर सहमति जताई थी। सेना के बयान का तात्पर्य यह था कि किसी भी आवधिक विस्तार का कोई मतलब नहीं था क्योंकि संघर्ष विराम की कोई समय सीमा ही नहीं थी। सेना ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, "जहां तक घ्शत्रुता समाप्त करने की बात है, जैसा कि 12 मई को डीजीएमओ (सैन्य संचालन महानिदेशक) की बातचीत में तय किया गया था, इसकी कोई समाप्ति तिथि नहीं है।" निश्चित रूप से, भारत ने यह संकेत दे दिया है कि 10 मई के युद्ध विराम का भाग्य पाकिस्तान के व्यवहार पर निर्भर करता है। इससे चार दिनों तक चले सैन्य टकराव का अंत हो गया, जिससे पूर्ण गोलीबारी युद्ध की आशंका बढ़ गई थी।

आरपावर ने भूटान में ग्रीन डिजिटल के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए

भूटान, (एजेंसी)। रिलायंस पावर ने सोमवार को कहा कि उसने ग्रीन डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड के साथ दीर्घकालिक बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। ग्रीन डिजिटल का स्वामित्व भूटान की शाही सरकार की निवेश शाखा ड्रक होल्डिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के पास है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि रिलायंस पावर और ड्रक होल्डिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (डीएचआई) के बीच यह 50–50 प्रतिशत हिस्सेदारी का संयुक्त उद्यम होगा। इसके तहत भूटान की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना विकसित की जाएगी, जिसकी स्थापित क्षमता 500 मेगावाट होगी। इस परियोजना में बनाओ– स्वामित्व रखो और चलाओ (बीओओ) मॉडल के तहत 2,000 करोड़ रुपये तक का पूंजीगत व्यय किया जाएगा। यह भूटान के सौर ऊर्जा क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा निजी क्षेत्र का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) है। कंपनी ने कहा कि इस पहल से क्षेत्रीय स्वच्छ ऊर्जा एकीकरण और दक्षिण एशिया में सीमा पार बुनियादी ढांचे के सहयोग को बढ़ाने में मदद मिलेगी। परियोजना को अगले 24 महीनों में चरणबद्ध ढंग से पूरा किया जाएगा।

सीमाओं की सुरक्षा के इतिहास में ऑपरेशन सिंदूर स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की सैन्य कार्रवाई की सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वदेशी रूप से निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की चीन द्वारा आपूर्ति की गई वायु रक्षा प्रणालियों को नष्ट कर दिया। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद के नारनपुरा इलाके में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा और सीमाओं की सुरक्षा के इतिहास में ऑपरेशन सिंदूर स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। इस कार्यक्रम में अहमदाबाद नगर निगम द्वारा अहमदाबाद शहर में 1,550 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर उद्घाटन की गई परियोजनाओं में नारनपुरा में 132 फीट रिंग रोड पर व्यस्त पल्लव चौराहे पर एक ओवरब्रिज भी शामिल है। अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रकाश डालते हुए शाह ने 22 अप्रैल को जम्मू– कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। शाह ने कहा, (प्रधानमंत्री) नरेंद्रभाई (मोदी) की राजनीतिक इच्छा शक्ति, भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और हमला करने की क्षमता तथा हमारी खुफिया एजेंसियों द्वारा दी गई सटीक सूचनाओं ने पाकिस्तान के अंदर नौ स्थानों पर आतंक के ठिकानों को नष्ट कर दिया। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार अमित शाह ने कहा, जबकि हमारे स्वदेशी रूप से विकसित ब्रह्मोस (सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम) ने पाकिस्तान के हवाई ठिकानों को नष्ट करने का काम किया, चीन से उधार लिया गया हमारा अपना एयर डिफेंस सिस्टम अप्रयुक्त रह गया। हमारी वायु सेना ने सटीक हमले किए और पाकिस्तान के कई स्थानों पर भारी

क्षति पहुंचाई, जिन्हें अभेद्य माना जाता था। अमित शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को सीमा सुरक्षा में इसके योगदान और वैश्विक मंच पर आतंकवाद से पाकिस्तान के संबंधों को उजागर करने के लिए ऐतिहासिक रूप से मान्यता दी जाएगी। उन्होंने कहा, जब सीमा सुरक्षा पर इतिहास लिखा जाएगा तो ऑपरेशन सिंदूर को स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।ष गृह मंत्री ने आगे कहा कि पहले की सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) तक ही सीमित थीं, जबकि ऑपरेशन सिंदूर में आतंकवादियों और उनके संचालन केंद्रों को खत्म करने के लिए पाकिस्तानी क्षेत्र में 100 किलोमीटर तक घुसना शामिल था। उन्होंने कहा, ष्पाकिस्तान पूरी दुनिया को बताता था कि वहां कोई आतंकवादी गतिविधि नहीं होती और भारत पर झूठी शिकायतें करने का आरोप लगाता था। लेकिन, ऑपरेशन सिंदूरश के तहत मिसाइलों से आतंकवादियों को खत्म कर दिया गया और पाकिस्तान दुनिया के सामने बेनकाब हो गया। अमित शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के आतंकवादी गतिविधियों को पनाह देने से इनकार को उजागर किया, जिसमें कहा गया कि पाकिस्तान की सीमाओं के भीतर आतंकवादियों और उनके बुनियादी ढांचे को खत्म करने से देश की मिलीभगत का पता चला। इस बात पर जोर देते हुए कि पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए और प्रार्थना की, अमित शाह ने कहा कि इससे पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तान और आतंकवाद की सांठगांठ उजागर हुई और पूरी दुनिया को पता चला कि पाकिस्तान आतंकवादियों के अड्डे चलाता है।

हाईकोर्ट ने मस्जिद कमेटी की अर्जी खारिज की, संभल कोर्ट में जारी रहेगा सर्वे मामला

प्रयागराज, (एजेंसी)। शाही जामा मस्जिद, संभल से जुड़े विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को

मस्जिद प्रबंधन समिति की सिविल पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। इस फैसले के साथ ही अब यह स्पष्ट हो गया है कि संभल की जिला अदालत में चल रही सर्वे संबंधी कार्यवाही जारी रहेगी। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने मुस्लिम पक्ष की दलीलों को अस्वीकार करते हुए यह निर्णय सुनाया। 13 मई को हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह मामला 19 नवंबर 2024 को उस समय शुरू हुआ जब कुछ याचिकाकर्ताओं ने संभल की सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अदालत में याचिका दाखिल कर दावा किया कि मस्जिद का निर्माण 1526 में एक प्राचीन हरिहर मंदिर को तोड़कर किया गया था, जो भगवान विष्णु के अंतिम अवतार 'कल्कि' को समर्पित था। अदालत ने मस्जिद का सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया था।इस आदेश के खिलाफ मस्जिद प्रबंधन समिति ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने 29 अप्रैल 2025 को मस्जिद कमेटी को हाईकोर्ट जाने का निर्देश देते हुए दो सप्ताह के भीतर राज्य सरकार की स्टेटस रिपोर्ट पर जवाब दाखिल करने को कहा था। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि विवादित कुआं मस्जिद परिसर से बाहर स्थित है। हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता गोपाल शर्मा ने बताया कि हमने 19 नवंबर 2024 को याचिका दायर की थी।

मुश्किल भरे ढाई महीने बाद मायावती ने आनंद पर जताया भरोसा

लखनऊ, (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के उत्तराधिकारी एवं नेशनल कोआर्डिनेटर रहे उनके भतीजे आकाश आनंद की दमदार वापसी से साफ हो गया है कि पार्टी अब पुराने ढर्रे पर वापस आने लगी है। आकाश को इस बार ज्यादा अधिकारों के साथ वापस लाया गया है, जो उनके राजनीतिक भविष्य को नया मुकाम दे सकता है। हालांकि बसपा में बीते ढाई महीने से जारी उठापटक से हुए नुकसान की भरपाई कर पाना आसान नहीं है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को दिल्ली में आकाश को चीफ नेशनल कोआर्डिनेटर बनाकर साफ कर दिया कि पार्टी में युवा नेतृत्व की जरूरत को नकारा नहीं जा सकता है। आकाश के निष्कासन वापसी के बाद उनके समर्थक लगातार उन्हें कोई अहम पद देने की मांग कर रहे थे। बसपा सुप्रीमो ने उनकी उम्मीदों से बढ़कर आकाश को जिम्मेदारी सौंपी है। इससे पहले आकाश को नेशनल कोआर्डिनेटर और उत्तराधिकारी बनाने के दौरान यूपी और उत्तराखंड से दूर रखा गया था, जबकि इस बार उन्हें पूरे देश में संगठन को मजबूत करने का जिम्मा सौंपा गया है। आकाश की वापसी में उनके पिता आनंद कुमार की भूमिका अहम बताई जा रही है, जिन्होंने बीते दिनों नेशनल कोआर्डिनेटर का पद ठुकरा दिया था। हालांकि उन्होंने मायावती के निर्णयों का सम्मान करते हुए आकाश की वापसी की राह बनाई। साथ ही आकाश के उन करीबियों और समर्थकों को भी चुप कराया गया, जो पार्टी नेतृत्व के फैसलों पर सवाल उठा रहे थे। इससे पहले बीते वर्ष अप्रैल माह में लोकसभा चुनाव के दौरान सीतापुर की जनसभा में दिए भड़काऊ भाषण की वजह से उनसे नेशनल

कोआर्डिनेटर और उत्तराधिकारी के पद की जिम्मेदारी वापस ले ली गई थी। उन्होंने भाजपा नेताओं की तुलना आतंकवादियों से की थी, जिसके बाद आकाश समेत कई प्रत्याशियों और पार्टी पदाधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया था। हालांकि बीते ढाई माह आकाश के लिए ज्यादा मुश्किल भरे रहे। मायावती ने आकाश को बीती 2 मार्च को पार्टी से निष्कासित किया था। बीती 13 मार्च को मायावती ने आकाश द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी मांगने पर उनका निष्कासन तो वापस लिया, लेकिन उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी। बसपा में अंदरखाने इसे लेकर तमाम अटकलें लगने लगीं, जिसके बाद मायावती ने 29 अप्रैल को पार्टी पदाधिकारियों से आकाश की तारीफ करते हुए ।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद असम में 71 `देशद्रोही' गिरफ्तार

असम, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद कथित रूप से ''राष्ट्र–विरोधी'' गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे ऐसे मामलों में राज्य में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या बढ़कर 71 हो गई है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में शर्मा ने कहा कि कोकराझार, गोलपारा और दक्षिण सलमारा–मनकाचर

जिलों से एक–एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, ''71 देशद्रोही अब सलाखों के पीछे हैं! असम पुलिस डिजिटल माध्यमों पर कड़ी निगरानी रख रही है।'' इससे पहले, विपक्षी दल ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) विधायक अमीनुल इस्लाम को कथित तौर पर पाकिस्तान और पहलगाम आतंकी हमले में उसकी संलिप्तता का ''बचाव'' करने लिए देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मामले में जमानत मिलने के बाद इस्लाम को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया था। पिछले महीने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद दो मई वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी।

विजय शाह को कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बार फिर मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह को कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए बयान पर फटकार लगाई है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि हम इस मामले में मंत्री की माफी स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। कोर्ट ने आगे कहा, आप एक सार्वजनिक चेहरा हैं। एक अनुभवी नेता हैं। आपको बोलने से पहले अपने शब्दों को तोलना चाहिए। हमें आपके वीडियो यहां चलाने चाहिए। यह सेना के लिए एक अहम मुद्दा है। हमें इस मामले में बेहद जिम्मेदार होना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एक एसआईटी भी गठित की है। इसमें तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को रखा गया है। इनमें एक महिला अधिकारी भी होंगी। यह तीनों ही अफसर मध्य प्रदेश के बाहर के होंगे और कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ दिए गए मंत्री के

बयान को लेकर जांच करेंगे। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, श्इस टिप्पणी के कारण पूरा देश शर्मसार है। हमने आपके वीडियो देखे। आप बहुत गंदी भाषा का इस्तेमाल करने वाले थे, लेकिन शायद आपकी समझ काम आई या आपके दिमाग ने आपको रोका या फिर हो सकता है कि आपको उचित शब्द न मिले हों। आपको शर्म आनी चाहिए। पूरे देश को हमारी सेना पर गर्व है और आपने यह बयान दिया। पीठ ने मंत्री से पूछा, श्यह किस तरह की माफी थी? आपको बस अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए थी और माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन आप कहते हैं कि अगर आपने यह और वह कहा है... तो मैं माफी मांगता हूं। माफी मांगने का यह तरीका नहीं है। आपने जिस तरह की भद्दी टिप्पणी की है, आपको शर्म आनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को मंगलवार सुबह 10 बजे तक आईजी रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने को कहा है। इस दल में एक महिला अधिकारी भी शामिल होगी। यह दल मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के बाद दर्ज एफआईआर की जांच करेगा। पीठ ने कहा कि एसआईटी की ओर से पहली रिपोर्ट 28 मई तक दाखिल की जानी चाहिए। कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए गए बयान ने तूल पकड़ा तो मंत्री विजय शाह ने सार्वजनिक रूप से दो बार माफी मांगी। मंत्री ने कहा– उनके दिए बयान से किसी की भावनाएं आहत हुई हों तो वे दिल से क्षमाप्रार्थी हैं। सोफिया कुरैशी ने देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाया है और उनका योगदान जाति, धर्म या समुदाय से परे है। वह उन्हें एक सगी बहन से भी अधिक सम्मान देते हैं। शाह ने कहा कि मेरे वक्तव्य का उद्देश्य सोफिया के योगदान को समाज के सामने सकारात्मक रूप से प्रस्तुत करना था, लेकिन व्याकुल मन की स्थिति में कुछ शब्द गलत निकल गए, जिससे वह व्यथित और शर्मिंदा हैं। मंत्री के दो बार माफी मांगने के बाद भी यह मामला शांत नहीं हुआ है। मंत्री शाह द्वारा दिए गए विवादित बयान का विरोध तेज हुआ ।और उनके खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की जाने लगी।

पार्टी स्तर की राजनीति से दूर रहना चाहिए शरद पवार ने संजय राउत को दी सलाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान के साथ भारत की सैन्य तनातनी के बारे में दूसरे देशों को जानकारी देने के लिए सांसदों को विदेश भेजने की जरूरत पर सवाल उठाया और इस कदम की तुलना बारात से की। सरकार ने इस महीने के आखिर में विभिन्न दलों के सांसदों वाले सात प्रतिनिधिमंडलों को कई देशों में भेजने का फैसला किया है, ताकि हालिया संघर्ष में भारत की स्थिति को समझाया जा सके और इस्लामाबाद पर सीमा पार आतंकवाद को पनाह देने का आरोप लगाते हुए उस पर कूटनीतिक दबाव बनाया जा सके। वहीं, एनसीपी (सपा) अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को संजय राउत को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें भारत के वैश्विक संपर्क प्रयासों में स्थानीय स्तर की राजनीति न लाने की सलाह दी। यह बात शिवसेना (यूबीटी) नेता ने केंद्र द्वारा

विभिन्न देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजने के कदम का बहिष्कार करने का आह्वान करने के एक दिन बाद कही। पवार ने याद दिलाया कि वह पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव द्वारा भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र में भेजे गए प्रतिनिधिमंडल के सदस्य थे। बारामती में मीडिया को संबोधित करते हुए पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा कि जब अंतरराष्ट्रीय मुद्दे सामने आते हैं, तो पार्टी स्तर की राजनीति से दूर रहना चाहिए। आज, केंद्र ने कुछ प्रतिनिधिमंडल बनाए हैं, और उन्हें कुछ देशों में जाकर पहलगाम हमले और उसके बाद पाकिस्तान की ओर से की गई गतिविधियों के बारे में भारत का रुख रखने का काम सौंपा गया है। उल्लेखनीय रूप से, राउत ने रविवार को कहा कि इंडिया ब्लॉक के घटकों को विभिन्न देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के केंद्र सरकार के कदम का बहिष्कार करना चाहिए था, ।

भारत ने कितने विमान खोए, देश को सच जानने का हक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर पर फिर से सवाल उठाए और आरोप लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने कितने विमान खोए, इस पर वे चुप हैं। उन्होंने कहा कि देश को सच्चाई जानने का हक है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, षविदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी सिर्फ बयानबाजी नहीं है, बल्कि यह निंदनीय है। इसलिए मैं फिर से पूछूंगारू हमने कितने भारतीय विमान खो दिए, क्योंकि पाकिस्तान को पता था? यह कोई चूक नहीं थी। यह एक अपराध था। और देश को सच्चाई जानने का हक है। राहुल गांधी ने 17 मई का विदेश मंत्री जयशंकर का एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने कहा कि ऑपरेशन की शुरुआत में हमने

पाकिस्तान को संदेश भेजा था कि हम बुनियादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं और हम सेना पर हमला नहीं कर रहे हैं, इसलिए सेना के पास इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप न करने का विकल्प है। उन्होंने अच्छी सलाह नहीं मानने का विकल्प चुना। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि युद्ध सिर्फ सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि राजनीति के रणनीतिकारों द्वारा भी लड़े जाते हैं। खेड़ा ने कहा कि सेनाएं बहादुरी से सीमाओं पर अपना काम करती हैं, तो युद्ध में बहुत अहम् भूमिका उन रणनीतिकारों की भी होती है जो राजधानी में बैठे होते हैं। इन तमाम लोगों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। जो सेना के पराक्रम को या तो बूस्ट कर सकती है या सेना के पराक्रम को नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी जी ने विदेश मंत्री के बयान पर कुछ सवाल पूछे हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण इसलिए हो जाता है, क्योंकि पिछले एक हफ्ते में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलग–अलग देशों में एक बात दोहराते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाने में मध्यस्थता की। उन्होंने आगे दावा किया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर जी ने खुद्द मीडिया एजेंसियों को बताया कि हमने हमला करने से पहले पाकिस्तान को सूचित कर दिया था। खेड़ा ने सवाल किया कि अब ये सूचित करने का क्या मतलब होता है? विदेश मंत्री जी को पाकिस्तान पर इतना भरोसा है कि उनके कहने पर आतंकी चुपचाप बैठेंगे।

संपादकीय

फुटपाथ का साथ

सड़क पर तेज रफ्तार दौड़ती कारों और अतिक्रमण की भेंट चढ़े फुटपाथों पर पैदल यात्रियों का चलना अब दुश्वार हो चला है। यही वजह है कि बुजुर्ग लोग सड़कों पर आने से डरते हैं और घरों तक सिमटकर रह जाते हैं। वे फुटपाथ न होने के कारण सड़कों पर चलते हैं और अनियंत्रित गति वाले वाहनों के शिकार हो जाते हैं। अदालत में दिए गए एक आंकड़े के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले करीब बीस फीसदी लोग पैदल यात्री होते हैं। इन हालात में दिव्यांग लोग कैसे सड़कों पर निकल सकते हैं, ये कल्पना से परे है। देश के करोड़ों मूक पैदल यात्रियों को आवाज देने के मकसद से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति ए.एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने सख्त लहजे में कहा कि फुटपाथ की सुविधा लोगों का संवैधानिक अधिकार है। पीठ ने केंद्र व राज्यों को कहा कि दो महीने में सुनिश्चत करें शहरों व गांवों में पैदल चलने वालों के लिये साफ, अतिक्रमण मुक्त और दिव्यांगों के अनुकूल फुटपाथ उपलब्ध हों। सभी सार्वजनिक सड़कों पर उपयुक्त फुटपाथ बनाना और उनसे अतिक्रमण हटाना अनिवार्य है। कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों से कहा कि वे बताएं पैदल यात्रियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उसके पास क्या नीति है। कोर्ट ने दो महीने में रिपोर्ट देने को कहा है। शीर्ष अदालत ने मुंबई हाईकोर्ट की ओर से पहले से जारी दिशा–निर्देशों को आदर्श मानते हुए अन्य राज्यों से इसे अपनाने को कहा। दरअसल, कोर्ट भी इस बात से सहमत दिखा कि जब फुटपाथ नहीं होते तो गरीब, बुजुर्ग,बच्चे और दिव्यांगजन मजबूरी में सड़कों पर चलते हैं। वे भीड़भाड़ में हादसों का शिकार हो जाते हैं। अदालत ने कहा कि यह केवल यातायात का मुद्दा नहीं है,यह जीवन का अधिकार है। ये उन करोड़ों भारतीयों के लिए एक उम्मीद है जो जान जोखिम में डालकर सड़कों पर चलते हैं। अब हर कदम पर सुरक्षित और जीवन की अहमियत होनी चाहिए। निस्संदेह, देश में फुटपाथों की दुर्दशा, अतिक्रमण और दिव्यांगों की लाचारी किसी से छिपी नहीं है। अकेले वर्ष 2022 में 77 हजार पैदल यात्रियों के साथ हुई दुर्घटना में करीब 32,797 की मृत्यु हुई और 34 हजार गंभीर रूप से घायल हुए। निस्संदेह, कोर्ट ने पैदल चलने वाली करोड़ों की मूक बिरादरी को संवैधानिक आवाज देने देने की सार्थक पहल की है। विडंबना यह है कि देश की राजधानी दिल्ली में अस्सी फीसदी पैदल मार्गों पर रेहड़ी–पटरी वालों, दुकानदारों व गाड़ी वालों ने कब्जा कर रखा है। इस वर्ष हर माह करीब 48 पदयात्री सड़क दुर्घटना में मारे गए। यही वजह है कोर्ट ने फुटपाथ को संवैधानिक अधिकार बताते हुए इसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीशुदा बताया। जिसे केंद्र व राज्य सरकारों को पैदल यात्रियों के लिये इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के गठन के लिए सिर्फ छह माह का समय दिया है।

शत्रुता-मित्रता का आधार है स्थाई हित

ज्योति

कुछेक दिन पहले हुए भारत–पाकिस्तान टकराव में अमेरिका द्वारा मध्यस्थता के दावों पर भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से छह बिंदुओं वाला खंडन पत्र जारी करने के कुछ घंटों बाद ही,डोनाल्ड ट्रम्प ने छठवीं बार जोर देकर कहा कि बीच–बचाव उन्होंने ही करवाया है रू '३और वैसे तो मैं

बताना नहीं चाहता था कि मध्यस्थता मैंने की है, लेकिन पिछले सप्ताह पाकिस्तान और भारत के बीच समस्या को सुलझाने में निश्चित रूप से मैंने मदद की है, जो अधिक से अधिक शत्रुतापूर्ण होती जा रही थी'। उक्त कथन ट्रम्प ने गुरुवार को कतर स्थित अमेरिका के अल–उदीद एयरबेस पर सैनिकों को संबोधित करते व्यक्त किया, जो उनके खाड़ी दौरे का अंतिम पड़ाव था। आखिर में यह भी कह गए :'मैं आपको बता रहा हूं,मैं ही वह व्यक्ति हूं जिसने परमाणु युद्ध को टाला'। अब या तो आप अविश्वास में अपनी आंखें गोल–गोल घुमाएं या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति की बातों पर यकीन कर लें,जिसका मतलब बकौल उनके यह है कि उन हालात में एक शक्तिशाली तीसरे पक्ष की आवश्यकता थी दृ अर्थात वे स्वयंदृ जिसका प्रभाव भारत और पाकिस्तान, दोनों पर हो, ताकि वहां के लोगों को एक–दूसरे पर फिर से हमला करने और उनके बीच '1,000 साल से चले आ रहे युद्ध' को जारी रखने से रोका जा सके। लेकिन कहानी में तीन और सबक हैं। पहले का संकेत तब मिला, जब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बीते गुरुवार शाम अफगानिस्तान में अपने समकक्ष यानि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से फोन पर बात की। कोई नहीं जानता कि किसने किसको फोन किया, लेकिन विदेश मंत्रालय ने यह जरूर बताया कि जयशंकर ने पहलगाम नरसंहार को लेकर मुत्ताकी द्वारा की गई निंदा की सराहना की है। पहली (अंतिम तीन में से) सीख यह नहीं कि जयशंकर और मुत्ताकी ने वास्तव में एक–दूसरे से बात कीदृ यहां गौरतलब है दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के एक नेता ने एक ऐसे व्यक्ति से बात की जिसकी सरकार को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता तक नहीं, वह तो केवल एक शासन का प्रतिनिधि है दृ या फिर उन्होंने जानबूझकर यह खुले तौर पर किया। यहां सबक यह कि भारत ने इस बात की कोई परवाह नहीं की कि उसी तालिबान से बात करने के लिए आलोचना की जाएगी या नहीं, जिसने 15 अगस्त, 2021 को दूसरी बार सत्ता में आने से पहले, और उसके बाद से, हरेक नियम का सब तरह से उल्लंघन किया। सच तो यह कि जयशंकर ने तो इस मामले में ट्रंप का ही अनुसरण किया। वो यह कि अगर आपके अंदर सत्ता में टिके रहने की क्षमता है, तो आपके अपने विचारों में बदलावों के साथ–साथ देश की स्थापित नीतियों की दिशा बदलने की आपकी मूर्खता को भी माफ कर दिया जाएगा। जरा ट्रंप को देखें। वह अपने देश के कट्टर दुश्मन व्लादिमीर पुतिन के साथ अच्छा व्यवहार कर रहे हैंय बीते हफ्ते की शुरुआत में उन्होंने रियाद में अल–कायदा के सबसे नए सहयोगी से हाथ मिलाया, जिसका शासन इन दिनों सीरिया पर हैय और कट्टरपंथी इस्लामवादी मुस्लिम ब्रदरहुड समूह के गढ़ कतर में,उन्होंने सभी संकेतों को नजरअंदाज कर दिया क्योंकि अल–थानी के शेखों ने उनकी भव्य अगवानी की, इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति के इस्तेमाल के लिए उपहार में दिया 400 मिलियन डॉलर का विमान भी शामिल है। यहां तक कि जब कतर के व्यापारियों को संबोधित करते हुए अपना यह ऐतराज जताया कि एप्पल के सीईओ टिम कुक भारत में आईफोन बनाने जा रहे हैं ('मैंने उनसे कहा, मेरे दोस्त, मैं आपके साथ बहुत अच्छा व्यवहार कर रहा हूं३ लेकिन अब सुना है कि आप भारत में आईफोन बनाने ज रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि आप भारत में उत्पादन करें३'), तो भारत ने इस पर प्रतिक्रिया न देकर सरासर नजरअंदाज किया। इसकी बजाय, भारतीयों ने एप्पल के अधिकारियों का रुख किया, जिन्होंने आश्वासन दिया है कि कुक वास्तव में भारत में कारखाना स्थापित करने की अपनी योजना को जारी रखेंगे। पुराने दौर में, अगर अमेरिकी राष्ट्रपति जैसा कोई शक्तिशाली व्यक्ति ऐसी बातें कह देता तो भारत परेशान हो जाता। लेकिन चीन और अमेरिका जैसी कहीं ज्यादा शक्तिशाली अर्थव्यवस्थाओं के सामने,भारत अपनी स्थिति को संभालना सीख रहा है, वे दोनों अपने–अपने टैरिफ को कम करने के लिए आपस में सौदेबाजी कर रहे हैं दृ और इस निर्णय का असर भारत के निर्यात पर पड़ना लाजिमी है। तथ्य यह कि, गत सप्ताह, भारत ने राजनीति की सबसे पुरानी कहावत से फिर से सीखा हैदृ'न तो कोई स्थायी दोस्त होता है न ही दुश्मन, यह केवल अपने हित हैं, जो स्थायी होते हैं'। बीते दिन के अखबार की तरह, जो अगले दिन रद्दी बन जाता है, पिछले हफ्ते के पक्के दोस्त आज दूर के रिश्तेदार हो सकते हैं। इसलिए 'अब की बार ट्रम्प सरकार' किसी और ही सदी का नारा था। आज की सुरक्षा आपके पाले में एप्पल जैसों के आने से बनेगी, क्योंकि वह कंपनी इतनी शक्तिशाली है कि ट्रम्प के पास टिम कुक को अपने पक्ष में रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं। जहां तक ट्रम्प द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच 'मध्यस्थता' का श्रेय लेने की बात है, वैसे तो अब न्यूयॉर्क टाइम्स भी मान रहा है कि हमलों में भारत ने पाकिस्तानी ठिकानों को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है। जहां तक पाकिस्तान द्वारा इस संघर्ष में अपनी 'जीत' का जश्न मनाने का प्रश्न है, तो शायद न तो ट्रम्प ने और न ही पाकिस्तानियों ने नजरअंदाज किया है कि 11 पाकिस्तानी ठिकानों को भारतीय मिसाइलों ने बींध दिया। इसी वजह से पाकिस्तानियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति का रुख किया और उनसे लड़ाई बंद करवाने की गुहार लगाई। या, हो सकता है, ट्रम्प ने खुद से इस पर गौर किया होदृ हालांकि अब वे किसी और चीज में व्यस्त हो चुके हैं, फिलहाल नए जन्मे पोते का जश्न मना रहे हैं। तीसरी सीख यह है कि सत्ता में अपने तीन महीनों में, ट्रम्प ने आधी दुनिया को सफलतापूर्वक नाराज कर डाला है। तथ्य है कि चीन को जलाकर राख करने के अपने वादे–इरादे से वे मुकर गए हैं क्योंकि उनकी अपनी अमेरिकी कंपनियों का विशाल कारोबार चीन में है, जिनसे वे काफी मुनाफा कमाते हैं, अवश्य ही उन्होंने यह समझाया होगा कि चीन पर उच्च टैरिफ केवल अमेरिकी ग्राहकों को ही नुकसान पहुंचाएगा दृ यह दर्शाता है कि जब आप शक्तिशाली हों, तो हल्की बातें भी चल निकलती हैं। जहां तक जयशंकर–मुत्ताकी बातचीत का प्रश्न है, वास्तव में यह संवाद ऑपरेशन सिंदूर के अंत के करीब हुआ है या कहें कि ऐसे मौके पर जब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कुछ समय से खंजर खिंचे हुए हैं, जो किसी से छिपा नहीं है। वास्तव में, भारत पिछले कुछ समय से तालिबान को डोरे डालने की कोशिशें कर रहा है, लगभग उसी समय से जब उसने 2021 में भारत की स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ के दिन काबुल पर कब्जा कर लिया था। एक साल बाद काबुल की अपनी यात्रा पर, यह स्पष्ट दिखा कि तालिबान के किसी समय अपने उस्ताद और संरक्षक यानि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के साथ रिश्ते बिगड़ चुके हैं। यह कहानी कि आईएसआई ने तालिबान पर किस प्रकार पकड़ बनाई और उसका तब तक पोषण किया, जब तक पश्चिमी मुल्कों ने 9ध्11 के बाद अफगानिस्तान पर कब्जा नहीं कर लिया था, यह कि कैसे आईएसआई ने 20 साल तक इसका खूब फायदा उठाया और उसके बाद तालिबान को अमेरिकियों और उसके नाटो सहयोगियों से देश वापस छीनने में मदद की दृ यह किस्सा फिर किसी वक्त के लिए। गत सप्ताह के बड़े खेल में, जबकि सतलुज के पानी की भांति ट्रंप अपना बहाव नित बदल रहे हैं और शेष दुनिया उसके मुताबिक खुद को पुनर्व्यवस्थित करने में जुटी है दृ भारत ने तालिबान को कैसे अपनी तरफ किया, यह गाथा शायद ज्यादा दिलचस्प है।

हार को शिक्षक मान जीत की संभावना तलाशें

डॉ. मधुसूदन

जीवन एक यात्रा है–कभी सहज, तो कभी जटिल। जीवन यात्रा में जितनी सफलता की ऊंचाइयां हैं, उतनी ही हार की गहराइयां भी हैं। जब कोई व्यक्ति अपने जीवन में हार का सामना करता है तो उसका सबसे पहला स्वाभाविक भाव निराशा होता है। अपनी पराजय के लिए या तो हम हम स्वयं को दोष देने लगते हैं या फिर परिस्थितियों को कोसते हैं। लेकिन यदि हम थोड़ा धैर्य रखें तो पायेंगे कि हार केवल एक रुकावट नहीं बल्कि कुछ सीखने का अवसर है। यह हमारे दृष्टिकोण, योजनाओं तथा आत्ममूल्यांकन को गहराई से देखने का समय होता है। हमारे समाज में हार को नकारात्मकता से देखा जाता है। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाया जाता है कि सिर्फ 'जीतना ही महत्वपूर्ण है।' समाज में कभी भी हार की स्वीकार्यता नहीं रही। जबकि सच्चाई यह है कि पराजय आत्मदृष्टि का अवसर प्रदान करती है। वह संकेत देती है कि कहीं कुछ अधूरा रह गया है–संभवतः हमारी तैयारी में,दृष्टिकोण में या आत्मविश्वास की दृढ़ता में। जब हम हार को एक शिक्षक के रूप में स्वीकार करते हैं, तब हम उसके अंदर निहित सफलता की संभावनाओं की तलाश कर पाते हैं। इतिहास साक्षी है कि सफलता की नींव अक्सर असफलताओं की ईंटों से रखी जाती है। अब्राहम लिंकन ने कई चुनाव हारे। व्यापार में असफल रहे। लेकिन अंततः वह अमेरिका के सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रपति बने। हैरी पॉटर की लेखिका जे.के. रोलिंग को तमाम प्रकाशकों ने अस्वीकार कर दिया था। पर उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने आत्मविश्वास को बना प्रयत्न जारी रखा। अंततः एक छोटे से प्रकाशक ब्लूम्सबरी ने उनकी पांडुलिपि को स्वीकृति दे दी और वह इतिहास बन गया।

..... विविध .....

तेजी से टूटने लगेंगे बाल, अगर कंघी करते समय करेंगी ये गलतियां

बालों की देखभाल करना हर महिला की प्राथमिकता होती है, क्योंकि बाल न केवल हमारी सुंदरता का हिस्सा होते हैं, बल्कि हमारी सेहत और पर्सनल केयर का भी एक अहम हिस्सा होते हैं। लेकिन बालों का टूटना एक आम समस्या है, जो

कई कारणों से हो सकती है। बालों के टूटने का एक कारण गलत तरीके से बालों को कंघी करना भी हो सकता है। सही तरीका जानने से आप बालों को टूटने से बचा सकती हैं। यहां हम आपको बता रहे हैं कि बालों को कंघी करते समय कौन सी गलतियां नहीं करनी चाहिए, ताकि आपके बाल सुरक्षित रहें और टूटने से बचें।

गीले बालों को कभी भी रफली न कंघी करें

सबसे पहली और सबसे बड़ी गलती गीले बालों को कंघी करने की होती है। गीले बालों की स्ट्रैंड्स काफी नाजुक होती हैं और इस समय अगर आप उन पर ज्यादा जोर डालती हैं, तो बालों का टूटना स्वाभाविक है। जब बाल गीले होते हैं, तो वे अपनी प्राकृतिक बनावट से अधिक लचीले होते हैं, जिससे कंघी करने पर आसानी से टूट जाते हैं। गीले बालों को कंघी करने से पहले उन्हें हल्का सूखने दें या फिर तौलिए से थपथपाकर अतिरिक्त पानी निकाल लें। फिर, बालों को धीरे–धीरे और हल्के हाथों से कंघी करें।

कंघी को बहुत जोर से खींचना

अक्सर हम जब कंघी करते हैं तो उसे बहुत जोर से खींचते हैं ताकि बाल सीधी हो जाएं, लेकिन यह बालों को नुकसान पहुंचाता है। कंघी के ज्यादा जोर लगाने से बालों की जड़ें कमजोर हो सकती हैं और बाल टूट सकते हैं। साथ ही, यह बालों के टूटने के साथ–साथ सिर में दर्द का कारण भी बन सकता है। कंघी को हल्के हाथों से बालों के ऊपर चलाएं और ध्यान रखें कि बालों में कोई गट्ठा न हो। अगर बाल उलझे हुए हैं तो पहले हाथों से बालों को सुलझाएं और फिर कंघी करें।

गलत प्रकार की कंघी का चयन

बालों के प्रकार के अनुसार कंघी का चयन करना भी जरूरी है। यदि आप कड़े और मोटे दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करती हैं, तो यह आपके बालों को बिना किसी नुकसान के कंघी करने में मदद कर सकती है। वहीं, अगर आपके पास महीन और पतले दांतों वाली कंघी है, तो यह आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। यह कंघी बालों में उलझन डाल सकती है और बाल टूटने का खतरा बढ़ा सकती है। अगर आपके बाल लंबे हैं या घने हैं, तो मोटे दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल करें। वहीं, अगर आपके बाल पतले हैं, तो महीन दांतों वाली कंघी का प्रयोग करें।

बालों को बार–बार कंघी करना

कभी–कभी हम बालों को बार–बार कंघी करने की गलती करती हैं। जब आप बार–बार बालों को कंघी करती हैं, तो इससे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं, जिससे बाल टूटने का खतरा बढ़ जाता है। बालों को दिन में 2 से 3 बार से ज्यादा कंघी न करें। बालों को कंघी करने से पहले यह सुनिश्चित करें कि आपके बालों में कोई गट्ठा न हो और कंघी करने से बाल आसानी से सुलझ जाएं।

बालों के उलझने पर जोर से खींचना

बालों का उलझना एक आम समस्या है, लेकिन अगर आप उलझे हुए बालों को कंघी करने के लिए ज्यादा जोर लगाती हैं, तो यह बालों के टूटने की वजह बन सकता है। उलझे हुए बालों को कंघी करते वक्त कभी भी ज्यादा बल नहीं लगाना चाहिए, क्योंकि इससे बालों की जड़ें कमजोर हो सकती हैं और बाल आसानी से टूट सकते हैं। उलझे हुए बालों को हल्के हाथों से सुलझाएं। आप बालों को आर्गेनिक हेयर ऑयल या कंडीशनर से सुलझाने का प्रयास कर सकती हैं, ताकि कंघी करते समय बाल टूटने से बचें।

गंदे बालों को कंघी करना

यह समझना जरूरी है कि अगर आपके बाल गंदे हैं, तो उन्हें कंघी करना बालों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। गंदे बालों में तेल, धूल और अन्य प्रदूषक तत्वों का जमाव हो सकता है, जिससे कंघी करने पर बाल कमजोर हो सकते हैं और टूट सकते हैं। हमेशा साफ बालों को कंघी करें। अगर आप लंबे समय तक बालों को बिना धोए रखती हैं, तो बालों में अधिक गंदगी और तेल जमा हो सकता है, जिससे बाल टूटने का खतरा बढ़ जाता है।

खराब क्वॉलिटि की कंघी का उपयोग

खराब क्वॉलिटि की कंघी का उपयोग करने से बालों में खिंचाव आ सकता है, जिससे बाल टूटने की संभावना बढ़ जाती है। प्लास्टिक कंघी या उन कंघियों का इस्तेमाल करें जो बालों के लिए मुलायम और सुरक्षित हों। कंघी का चयन करते वक्त उसकी गुणवत्ता पर ध्यान दें। लकड़ी या सिलिकॉन कंघी का उपयोग बालों के लिए बेहतर रहता है, क्योंकि ये बालों को नुकसान नहीं पहुंचातीं।

बालों के ताजे शेप के बाद कंघी न करना

अगर आप बालों को सैलून से ताजे शेप में कटवाकर आई हैं, तो कोशिश करें कि उस दिन बालों को कंघी न करें। बालों को शेप में कटवाने के बाद उन्हें कुछ समय आराम देने देना चाहिए। कंघी करने से बालों का शेप बिगड़ सकता है और बाल टूटने की संभावना बढ़ सकती है। बालों को कंघी करने से पहले यह सुनिश्चित करें कि वे ठीक से सुख जाएं और शेप परिपूर्ण हो।

बालों की देखभाल में कंघी करना एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन इसे सही तरीके से करना जरूरी है। गीले बालों को रफली कंघी करने, कंघी को ज्यादा जोर से खींचने, गलत कंघी का उपयोग करने या बालों को बार–बार कंघी करने से बालों की सेहत पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इन छोटी–छोटी बातों का ध्यान रखकर आप बालों को टूटने से बचा सकती हैं और उन्हें लंबा, घना और सुंदर बना सकती हैं।

मोबाइल ने टेढ़ी कर दी हड्डियां, गर्दन तक उठाना हो गया मुश्किल

जापान में एक 25 साल के युवक को घंटों तक मोबाइल पर गेम खेलने की आदत ने उसकी सेहत पर गहरा असर डाला। यह युवक घंटों तक अपनी गर्दन झुका कर मोबाइल का इस्तेमाल करता था, जिसके कारण उसे एक दुर्लभ बीमारी का सामना करना पड़ा। डॉक्टरों ने उसे ष्स्क्रॉपिंग हेड सिंड्रोमष् नामक बीमारी का शिकार बताया। इस बीमारी के कारण युवक की गर्दन की हड्डियां टेढ़ी हो गई और उसे गर्दन को खुद से उठाने में कठिनाई होने लगी।

मोबाइल पर गेम खेलने की आदत ने किया नुकसान

यह मामला मेडिकल जर्नल ष्जेओएस केस रिपोर्ट्सष् में प्रकाशित हुआ जिसमें बताया गया कि युवक की गर्दन की हड्डियां लगातार झुकी रहने के कारण कमजोर हो गई और रीढ़ की ऊपरी हड्डियों पर स्कार टिशू बन गए। डॉक्टरों का कहना है कि युवक घंटों तक मोबाइल पर गेम खेलता था, जिससे उसकी गर्दन की मांसपेशियां कमजोर हो गईं। लगातार गर्दन झुकी रखने से उसके पीछे एक गोला भी उभर आया था।

इलाज से पहले युवक को गर्दन में तेज दर्द और खाने–पीने में दिक्कत होने लगी थी। इसके कारण उसका वजन तेजी से घटने लगा। युवक को अब अपनी गर्दन उठाने में भी मुश्किल होने लगी थी। डॉक्टरों ने पहले कॉलर का सहारा लिया, लेकिन जब युवक को गर्दन में सुन्नपन महसूस हुआ, तब सर्जरी करने का फैसला लिया गया।

सर्जरी और उपचार

सर्जरी के बाद डॉक्टरों ने युवक की गर्दन की हड्डियों की टेढ़ी स्थिति को ठीक किया और खराब हो चुकी टिशू को हटाया। इसके बाद गर्दन की हड्डियों में स्क्रू और मेटल रॉड लगाई गई। सर्जरी के लगभग 6 महीने बाद युवक की स्थिति में सुधार आया। अब वह आसानी से अपनी गर्दन उठा सकता था और उसकी सेहत सामान्य हो गई थी।

युवक का मानसिक संघर्ष और मोबाइल का प्रभाव

डॉक्टरों के अनुसार, यह युवक बचपन में काफी एक्टिव था, लेकिन किशोरावस्था में वह स्कूल में बच्चों के मारपीट का शिकार हुआ। इस कारण उसने स्कूल छोड़ दिया और खुद को कमरे में बंद कर लिया। युवक ने अपनी सामाजिक गतिविधियों से दूर रहकर अपना समय मोबाइल पर गेम खेलने में बिताना शुरू किया। इसी आदत ने उसकी सेहत को गंभीर रूप से प्रभावित किया।

टूटा हुआ दिल पुरुषों को बना रहा है दिल टूटने, समय से पहले आ सकती है मौत

प्यार में दिल टूटने वाली बात तो हम आम सुनते रहते हैं, लेकिन क्या आपको मालूम है कि टूटा हुआ दिल भी इंसान की जान का दुश्मन बन सकता हैं। दिल टूटने की इस बीमारी को मेडिकल की भाषा में ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम कहा जाता है। एक हालिया अध्ययन में पाया गया है किश्ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम (टाकोत्सुबो कार्डियोमायोपैथी) से पुरुषों में मृत्यु दर महिलाओं की तुलना में ज्यादा पाई जाती है। इस स्थिति को आमतौर पर गहरे भावनात्मक या शारीरिक तनाव के बाद देखा जाता है।

क्या है ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम?

ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम एक तरह की अस्थायी हार्ट कंडीशन है जिसमें दिल की पंपिंग क्षमता अचानक कम हो जाती है। यह आमतौर पर किसी भावनात्मक आघात जैसे किसी प्रियजन की मृत्यु, तलाक, नौकरी का नुकसान, या गंभीर बीमारी के कारण होता है। अध्ययन में पाया गया कि इस सिंड्रोम से महिलाएं ज्यादा प्रभावित होती हैं, लेकिन पुरुषों की मौत का खतरा 2 से 3 गुना ज्यादा होता है। पुरुषों में यह क्लासिक लक्षणों के बिना सामने आता है, जिससे निदान और इलाज में देर हो जाती है। साथ ही पुरुषों में दिल पहले से कमजोर होने या धूम्रपान, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी बीमारियों का भी ज्यादा जोखिम होता है।

लक्षण

–अचानक सीने में दर्द
–सांस लेने में तकलीफ
–थकान
–दिल की धड़कन तेज होना

इलाज

–दवाएं जो दिल को आराम दें जैसे दृ बीटा ब्लॉकर्स, ।ब्इनहिबिटर्स
–स्ट्रेस मैनेजमेंट
–हार्ट हेल्दी डाइट और एक्सरसाइज

पुरुषों के लिए सलाह

–भावनात्मक तनाव को हल्के में न लें।
–मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें।
–स्ट्रेस, एंग्जायटी, डिप्रेशन जैसी समस्याओं पर समय रहते मदद लें। –नियमित हेल्थ चेकअप कराएं।

बेटे ने ईंट से कूचकर पिता को मार डाला, बचाने आई बहन पर भी किया हमला

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के सुल्तानपुर में रविवार की रात शराब के नशे में धुत बेटे ने पिता की हत्या कर दी। बचाने आई बहन को ईंट से मारकर घायल कर दिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से घर में चीख पुकार मच गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। घटना कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के केनौरा गांव की है। गांव निवासी हृदयलाल (55) और उसकी बेटी घर पर थी। उनकी पत्नी विमला (50) घर से बाहर गई थीं। इसी बीच बेटा श्रवण नशे में धुत होकर घर आया। किसी बात को लेकर पिता से कहासुनी होने लगी। श्रवण ने ईंट से पिता पर हमला बोल दिया।

इससे वह लहूलुहान होकर गिर गए। श्रवण की बहन अमीषा (18) ने पिता पर हमला करते देखा तो वह भागकर उन्हें बचाने आई। इस पर आरोपी ने उस पर भी ईंट से हमला कर दिया। वह बुरी तरह घायल हो गई। आसपास के लोगों ने देखा तो भागकर पहुंचे। लोगों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया।

वहां पर कुछ ही देर में हृदयलाल की सांसें थम गईं। वहीं बेटी का इलाज चल रहा है। मां की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज करके आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि श्रवण घर पर अक्सर झगड़ा करता था। इससे पहले वह मां को भी पीट चुका है। मृतक हृदयलाल को चार बेटियां व एक बेटा है। इनमें से सरोजा (35), मनोजा (32) और मनीषा (24) की शादी हो चुकी है। अमीषा (18) और श्रवण (30) घर पर रहते हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डिप्टी सीएम को बताया बाहरी, बोले- संकट में हम आपके साथ खड़े हैं

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को डीएनए के मुद्दे पर वार–पलटवार के बीच सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपना बयान जारी किया है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को भाजपा में बाहरी बताया है। अपने मंत्रालय को नाकामी का तमगा पहनाते हैं, निरर्थक बातों में, चाटुकारिता में अपना दिन और समय बिताते हैं, उनसे पुनः आग्रह है कि कुछ सार्थक भूमिका निभाइए और जिस समाज का आप सामाजिक प्रतिनिधित्व करते हैं, (अगर वो समाज आपको एक प्रतिशत भी अपना मानता है तो) उप्र भाजपा सरकार के राज में उस समाज पर कितना अत्याचार और अन्याय हो रहा है, उस पर यदि बोलकर कुछ कहने का साहस नहीं है तो कम से कम इशारे से ही कुछ कह दीजिए। परिपक्व बनिए, सौम्य, शिष्टाचारी और मृदु भाषी भी। उन पर विश्वास मत कीजिए जो अपनों के सगे नहीं हैं, और वैसे भी आप तो मूल रूप से उनके हैं भी नहीं, बाहर से आकरय भाजपाइयों जैसा बोलकर, भाजपाइयों जैसा बनकर

यहां घुलने–मिलने की कोशिश कर रहे हैं। अपना राजनीतिक शोषण मत होने दीजिए। अगर आपको इन पर कुछ ज्यादा ही विश्वास है तो उनके बारे में एक बार जरूर सोच लीजिए, जो आज से पहले अपने को भाजपा में महत्वपूर्ण समझते थे और जो मूल रूप से भाजपाई थे, आप की तरह बाहरी भी नहीं थे। आज हैं वो वहां, कल आप होंगे जहां। आशा है आप अपने दल में 'राजनीतिक स्वास्थ्य' को सुधारने का काम करेंगे। अगर कभी संकट में हों तो हम आपके साथ खड़े रहेंगे। हम जानते हैं वो समय दूर भी नहीं है क्योंकि न तो आप, न ही आपका समाज आज के सत्ताधीश को "भाता है या लुभाता है"।

नगर निगम परिसर में आयोजित हुआ महिला क्षमता संवर्धन कार्यक्रम

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या परिसर में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत तिलकहाल में ष्महिला क्षमता संवर्धन कार्यक्रमष का आयोजन भव्यता के साथ किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को स्वच्छता अभियान से जोड़कर प्रभु राम की नगरी अयोध्या को विश्व का सबसे स्वच्छ शहर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाना रहा। इस अवसर पर नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा, उपसभापति नगर निगम अयोध्या राजेश गौड़, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राममणि शुक्ल, सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडे, जिला संक्रामक रोग अधिकारी डॉ. अरविंद श्रीवास्तव,जूविनाइल मजिस्ट्रेट स्मिता तिवारी, भाजपा देवकाली मंडल अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, करियप्पा मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 250 महिलाओं ने सहभागिता करते हुए स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और कंपोस्टिंग जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।कार्यक्रम मे नगर आयुक्त श्री शर्मा ने स्वच्छता को जीवनशैली में शामिल करने की प्रेरणा दी।उन्होंने कहा कि स्वच्छता की एक नहीं अनेक लाभ हैं। वातावरण स्वच्छ रहने से कई तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है, जिसमें मच्छर जनित बीमारियां और पेट से संबंधित बीमारियां शामिल है। सहायक नगर आयुक्त और नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने तकनीकी जानकारी साझा करते हुए जनता से ष्स्वच्छ अयोध्या– स्वस्थ अयोध्याष के संकल्प को साकार करने की अपील की।प्रख्यात कवयित्री श्रीमती पूजा यक्ष ने स्वच्छता पर केंद्रित ओजस्वी कविता पाठ प्रस्तुत कर भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया।बच्चों ने खेल और पहेली के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी राम का घर की श्रीमती एकता भटनागर ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया।उन्होंने नारीशक्ति को स्वच्छता की प्रेरक शक्ति बताते हुए जनभागीदारी का आह्वान किया। चिंतन रिसर्च सेंटर एवं आईटीसी डिवाइन के विशेषज्ञों ने व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया।कार्यक्रम के अंत में ष्स्वच्छ अयोध्यादृस्वस्थ अयोध्याष थीम सॉन्ग का भव्य अनावरण किया गया, जिससे वातावरण ऊर्जा और उत्साह से भर उठा।कार्यक्रम का संयोजन आलोक सिंह राना ने किया। इस मौके पर व्यवस्था प्रमुख राहुल सिंह, दीपक पांडे, रूबी रावत, कमल गुप्त, विजयलक्ष्मी सिंह, नीता शर्मा, कल्पना, प्रीति,रेखा, अन्नपूर्णा, किरण, शारदा सोनी आदि की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को इको फ्रेंडली बैग प्रदान किए गए और सहभोज का आयोजन हुआ।

नगर निगम अयोध्या में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत तिलकहाल में ष्महिला क्षमता संवर्धन कार्यक्रमष का आयोजन भव्यता के साथ किया गया।इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को स्वच्छता अभियान से जोड़कर प्रभु राम की नगरी अयोध्या को विश्व का सबसे स्वच्छ शहर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाना रहा।इस अवसर पर नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा, उपसभापति नगर निगम अयोध्या राजेश गौड़, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राममणि शुक्ल, सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडे, जिला संक्रामक रोग अधिकारी डॉ. अरविंद श्रीवास्तव, जूविनाइल मजिस्ट्रेट श्रीमती स्मिता तिवारी,

भाजपा देवकाली मंडल अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, करियप्पा मंडल अध्यक्ष श्री रवि सोनकर सहित अनेक सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।कार्यक्रम में लगभग 250 महिलाओं ने सहभागिता करते हुए स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और कंपोस्टिंग जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। नगर आयुक्त श्री शर्मा ने स्वच्छता को जीवनशैली में शामिल करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की एक नहीं अनेक लाभ हैं। वातावरण स्वच्छ रहने से कई तरह की बीमारियों से बचा जा सकता है, जिसमें मच्छर जनित बीमारियां और पेट से संबंधित बीमारियां शामिल है। सहायक नगर आयुक्त और नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने तकनीकी जानकारी साझा करते हुए जनता से ष्स्वच्छ अयोध्या–स्वस्थ अयोध्याष के संकल्प को साकार करने की अपील की।प्रख्यात कवयित्री पूजा यक्ष ने स्वच्छता पर केंद्रित ओजस्वी कविता पाठ प्रस्तुत कर भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया। बच्चों ने खेल और पहेली के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी राम का घर की श्रीमती एकता भटनागर ने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया। उन्होंने नारीशक्ति को स्वच्छता की प्रेरक शक्ति बताते हुए जनभागीदारी का आह्वान किया। चिंतन रिसर्च सेंटर एवं आईटीसी डिवाइन के विशेषज्ञों ने व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया।कार्यक्रम के अंत में ष्स्वच्छ अयोध्यादृस्वस्थ अयोध्याष थीम सॉन्ग का भव्य अनावरण किया गया, जिससे वातावरण ऊर्जा और उत्साह से भर उठा।

कार्यक्रम का संयोजन आलोक सिंह राना ने किया।इस मौके पर व्यवस्था प्रमुख राहुल सिंह, दीपक पांडे, रूबी रावत, कमल गुप्त, विजयलक्ष्मी सिंह, नीता शर्मा, कल्पना, प्रीति, रेखा,अन्नपूर्णा, किरण, शारदा सोनी आदि की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को इको फ्रेंडली बैग प्रदान किए गए और सहभोज का आयोजन हुआ।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले क्रिकेटर मोहम्मद शमी, की शिष्टाचार भेंट

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। यह मुलाकात लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर हुई। शमी उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के रहने वाले हैं और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने बंगाल का प्रतिनिधित्व किया है। वह आईपीएल में सनराईजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व करते हैं।

गोमती नदी में कूदकर युवक ने की आत्महत्या, दो घंटे बाद एसडीआरएफ ने बरामद किया शव

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में मौलवी गंज निवासी आशीष कश्यप में सोमवार को गोमती नदी में छलांग लगा दी। आशीष सोमवार दोपहर में सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में पहुंचे थे। आशीष का शव बरामद कर लिया गया है। आशीष की आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। आशीष फिनिक्स पलासियो माल स्थित एक शोरूम में नौकरी करते थे। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा के मुताबिक एक युवक के गोमती नदी में कूदने की जानकारी मिली थी। इसके बाद एसडीआरएफ और गोताखोरों को लगाया गया। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आशीष का शव बरामद कर लिया गया। आशीष ने आत्महत्या क्यों की इसके बारे में छानबीन की जाएगी।

क्रेन की टक्कर से नाले में गिरा ई ऑटो, बुजुर्ग की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। आशियाना के मानसरोवर योजना स्थित न्यू गरौड़ा सर्विस लेन के पास रविवार दोपहर एक बजे तेज रफ्तार क्रेन की टक्कर से ई ऑटो नाले में जा गिरा। हादसे में ऑटो में सवार मड़ियांव के भरतनगर निवासी सुशील कुमार (70) की मौत हो गई। सुशील भूविज्ञान विभाग से चालक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। हादसे में ई ऑटो चालक इश्तियाक अहमद (मूलरूप से बाराबंकी निवासी, वर्तमान में बिजनौर में रह रहे) और अन्य सवारी रॉयल सिटी निवासी सेवानिवृत्त फौजी महिपाल घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और तीनों घायलों को नाले से निकालकर लोकबंधु अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने सुशील को मृत घोषित कर दिया। महिपाल को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। इश्तियाक की हालत गंभीर बनी हुई है। आशियाना थाने के कार्यवाहक इंस्पेक्टर श्याम प्रकाश शर्मा ने बताया कि हादसे के वक्त इश्तियाक सवारी लेकर शहीद पथ की तरफ जा रहे थे। क्रेन जब्त कर चालक की तलाश की जा रही है। तहरीर नहीं मिली है। सुशील के परिवार में पत्नी माया देवी, बेटा नवनीत और सुमित हैं। नवनीत ने बताया कि चार महीने पहले छोटे भाई राहुल की शहीद पथ पर हुई दुर्घटना में मौत हो गई थी। रविवार को सुशील बिना बताए निकले थे। हादसे के बाद पुलिस ने उसी क्रेन की मदद से नाले में गिरे ई ऑटो को बाहर निकलवाया, जिससे टक्कर हुई थी। बाद में दोनों वाहनों को थाने लाकर खड़ा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

बिना एनओसी चल रहा था मोहन होटल

लखनऊ, (संवाददाता)। चारबाग में शनिवार रात मोहन होटल में लगी आग के मामले में कई बड़ी बातें सामने आई हैं। होटल बिना फायर एनओसी के सालों से चल रहा था। हजरतगंज के न्यू बेरी रोड निवासी होटल मालिक अनिल कुमार अग्रवाल ने दमकल विभाग के पोर्टल पर एनओसी के लिए आवेदन ही नहीं किया था। एफएसओ राम कुमार रावत ने बताया कि होटल में विभाग के ओर से तय किए गए कोई मानक नहीं थे। इतना ही नहीं कोई अग्निशमन सुरक्षा उपकरण भी नहीं थे। इस कारण दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाने में काफी समस्या का सामना करना पड़ा था। इसके साथ ही कोई भी वेंटिलेशन की व्यवस्था नहीं थी। आग लगने के कारण पूरे होटल में धुआं भर गया था। ऐसे में लोगों को सांस लेने में समस्या होने लगी थी। दमकल कर्मियों ने वीआर सेट पहनकर कमरों में बनी खिड़कियों के शीशे तोड़कर धुआं निकाला था। मानक न पूरे होने के कारण विभाग ने होटल को एनओसी जारी नहीं की थी।करीब तीन माह पहले ही नोटिस जारी किया गया था। इसके साथ ही सभी उपकरणों की व्यवस्था करने की चेतावनी दी थी।इसके बाद भी होटल मालिक ने नोटिस को नजरअंदाज कर दिया। मालिक अनिल कुमार लोगों की जिंदगी को खतरे में होटल चलाते रहे । हादसे के बाद रविवार को एफएसओ ने टीम के साथ होटल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण में कई अन्य खामियां भी मिली हैं। अभी जांच चल रही है। हालांकि, बिना एनओसी के होटल संचालन और चेतावनी देने के बाद भी कमियों के दूर न करने पर विभाग जल्द ही मालिक को कारण बताओ नोटिस जारी करेगा। 15 दिन तक जवाब न देने पर मालिक और बड़ी कार्रवाई की जाएगी। चारबाग के गौतमबुद्ध मार्ग पर स्थित होटल मोहन में शनिवार रात करीब 12रू00 बजे किचन में खाना बनाते समय गैस रिसाव के कारण आग लग गई थी। लपटें चिमनी के डक्ट के सहरो तीसरी मंजिल तक पहुंच गई थी। दमकल कर्मियों ने पांच गाड़ियों के सहारे दो टीमों में बट कर राहत कार्य शुरू किया था।पहली टीम नीचे से चिमनी में आग बुझाने लगी थी। जबकि दूसरी टीम तीसरे मंजिल से डक्ट में पानी डाल रही थी। हादसे के कारण होटल के 17 कमरों में मौजूद 30 लोग फंस गए थे। हालांकि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई थी।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर अभद्र टिप्पणी मामले में एक और एफआईआर

स लखनऊ, (संवाददाता)। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर सोशल मीडिया पर की गई अभद्र टिप्पणी के मामले में पूर्व मेयर प्रत्याशी अजय त्रिपाठी ने बाजारखाला थाने में आईटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया है। अभद्र टिप्पणी करने का आरोप सपा के सोशल मीडिया सेल पर लगा है। मामले में शनिवार को हजरतगंज व वजीरगंज थाने में केस दर्ज किया गया था। रविवार को अजय त्रिपाठी, भारतीय उद्योग किसान व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रितेश गुप्ता, अखिल भारतीय दोसर वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गुप्ता, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप सिंह बब्बू सहित कई अन्य लोग थाने पहुंचे। मुन्ना का आरोप है कि सपा अध्यक्ष के इशारे पर डिप्टी सीएम पर अभद्र टिप्पणी की गई।

सिर्फ बड़ी जीत ही लखनऊ की उम्मीदें रखेगी जिंदा, प्रैक्टिस में पंत ने बहाया पसीना

लखनऊ, (संवाददाता)। लगातार तीन बड़ी जीत और दूसरी टीमों के प्रदर्शन पर निर्भरता। लखनऊ सुपरजायंट्स को आईपीएल के 18वें संस्करण के प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा। इस कड़ी में टीम की अगली चुनौती

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम होगी, जो पहले ही प्लेऑफ की होड़ से बाहर हो चुकी है। ऐसे में लखनऊ की टीम अपने घरेलू मैदान में जीत दर्ज करके अपनी उम्मीद को बनाए रखना चाहेगी। हालांकि मुकाबला इतना भी आसान नहीं होने वाला है, क्योंकि स्टार विदेशी खिलाड़ियों से सजी हैदराबाद की टीम पलटवार करके लखनऊ के प्लेऑफ की उम्मीदों पर ब्रेक लगा सकती है। ऐसे में मेजबानों को सतर्क रहना होगा। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में होने वाले मुकाबले को लेकर सोमवार शाम दोनों टीमों ने अभ्यास करके अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दिया। नए कप्तान ऋषभ पंत की अगुवाई में आईपीएल का 18वां संस्करण खेलने उतरी लखनऊ सुपरजायंट्स का अभी तक का सफर औसत दर्जे का रहा है। टीम प्रबंधन के लिए अंतिम एकादश का चुनाव करना बड़ी चुनौती रहा। कप्तान ऋषभ पंत के खराब फॉर्म ने मुश्किलें और भी बढ़ा दी है, जो अभी तक 11 मैचों में 11.80 के निराशाजनक औसत के साथ 128 रन की बना पाए हैं। इसके अलावा शुरुआती मुकाबलों में रनों का अंबार लगाने वाले स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन भी पिछले पांच मैचों में महज 61 रन ही बना सके हैं। टीम के लिए ओवरसीज ओपनर मिचेल मार्श (10 मैच में 378 रन) और एडन मार्करम (11 मैच में 348 रन) के अलावा आयुष बडोनी (11 मैच में 326 रन) की बेहतर प्रदर्शन कर सके हैं, जबकि डेविड मिलर (11 मैच में 153 रन) ने टीम प्रबंधन को निराश किया है। गेंदबाजी में लखनऊ के हालात और भी खराब है। टीम में एक भी बड़ा नाम होने का खामियाजा चुकाना पड़ रहा है। युवा स्पिनर दिग्वेश राठी (11 मैच में 29.66 की औसत और 8.09 की इकोनॉमी रेट से 12 विकेट) ही अपनी छाप छोड़ पाए हैं, जबकि भारत की टी–20 टीम के सदस्य रवि बिश्नोई (10 मैच में 41.46 की औसत से नौ विकेट) ने निराश किया है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल में धमाकेदार अंदाज में शुरुआत की थी, लेकिन बाद में टीम ट्रैक से उतर गई और प्लेऑफ से बाहर हो गई। बावजूद इसके कमिंस एंड कंपनी को किसी भी सूरत में हल्के में नहीं लिया जा सकता है। टीम से घातक सलामी जोड़ी (अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड) किसी भी टीम के गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ सकती है। इसके बाद हेनरी क्लासेन (11 मैच में 34.55 की औसत से 311 रन) भी बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं। गेंदबाजी की बात की जाए तो कप्तान कमिंस (11 मैच में 13 विकेट) और हर्षल पटेल (11 मैच में 14 विकेट) शानदार फॉर्म में हैं, जबकि मो. शमी भी मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। इसके अलावा टीम में शामिल लखनऊ स्पिनर जीशान अंसारी भी अपने घरेलू मैदान में लखनऊ सुपरजायंट्स के बल्लेबाजों पर अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं।

बालिका के अपहरण का आरोपी सात साल बाद गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। चौक पुलिस ने 2001 में यहियागंज निवासी 11 वर्षीय बालिका के अपहरणकर्ता को रविवार को बिजनौर जिले के पटवारी दरगाह वाली मस्जिद के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी गिरफ्तारी के भय से नाम बदलकर अलग–अलग जगहों पर रह रहा था। इंस्पेक्टर नागेश उपाध्याय के मुताबिक गिरफ्तार अपहरणकर्ता कृष्णानगर की एलडीए कॉलोनी में रहने वाला इकराम उर्फ मो. फैज है।

कोर्ट ने इकराम और उसके मौसेरे भाई आदिल को 2005 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। 2001 में दोनों अपहरणकर्ताओं ने यहियागंज निवासी एक युवक की बेटी का अपहरण कर दस लाख की फिरौती मांगी थी। मामले में पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल दिया था। कुछ समय बाद दोनों जमानत पर बाहर आ गए थे। 2005 में सजा होने पर आदिल को जेल भेजा गया था। पर इकराम भाग निकला था। 2018 में आरोपी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण की अर्जी डाली पर, जेल नहीं गया। इस पर पुलिस ने आरोपी के नाम पर वारंट जारी किया था।

बहराइच में टूटी सदियों पुरानी परंपरा, सालार मसूद गाजी की दरगाह पर नहीं लगा मेला

लखनऊ, (संवाददाता)। जेठ की सदियों पुरानी परंपरा इस बार बदली दिखी। जिस रोड पर मेले की पहली चौथी को तिल रखने की जगह नहीं रहती थी। आज वहां वाहन फर्राटे भर रहे थे। जानकारों का कहना है कि मेले की पहली चौथी को चार से पांच लाख की भीड़ होती थी, वहां आज बमुश्किल पांच से आठ हजार के आसपास लोग मेला परिसर में छिटके नजर आ रहे हैं। बताया जाता है कि 11वीं शताब्दी में हुए इस युद्ध के बाद 14वीं शताब्दी में फिरोजशाह तुगलक ने यहां किलेनुमा दीवार बनवाकर इसे दरगाह का रूप दे दिया। उसके बाद से यहां मेलार्थियों के आने का सिलसिला तेज हो गया। समय बीतता गया जायरीन की संख्या दिन दूनी रात चौगुनी होती गई। जायरीन की बढ़ती भीड़ को देखते हुए इसे धार्मिक स्थल के साथ बड़ा व्यापारिक केंद्र भी माना जाने लगा। जेठ माह की चारों चौथी के बाद जब यहां सिक्कों तथा नोटों की गिनती शुरू होती थी तो करोड़ों की नकदी का चढ़ावा और भारी तादाद में सोना–चांदी के जेवरात की कमाई होती थी। दुकानों के ठेके से करोड़ों की कमाई होती थी। यही कारण रहा कि बड़े ओहदेदार इस स्थल की प्रबंध समिति में जगह पाने के लिए अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करते थे।

मुस्लिम से कई गुना अधिक आते थे हिंदू मेलार्थी

सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह पर मुस्लिमों की अपेक्षा हिंदू मेलार्थी अधिक आते थे। सभी की अपनी–अपनी समस्याएं होती थीं। किसी को संतान न होने की समस्या तो किसी को मानसिक व शारीरिक बीमारी से राहत मिलने की उम्मीद रहती थी। इतना जरूर था कि मुस्लिम जायरीन जहां सिन्नी इत्यादि चढ़ाते थे वहीं हिंदू मेलार्थी त्रिशूल और लाल कपड़े में लिपटा नारियल लेकर आते थे।

सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह पर लगने वाले जेठ मेले में पहली बरात रविवार को आनी थी। जायरीन तो आए, लेकिन बिना बरात, त्रिशूल व निशान के। गोला तमाशा भी नहीं दगा, कव्वाली भी नहीं हुई। जयरीन ने सादगी के साथ जियारत

कर रस्म अदायगी की। कोविड के बाद यह पहला अवसर है जब बिना बरात के जायरीन आए हों। गाजी की दरगाह पर परंपरा अनुसार हर वर्ष जेठ माह के प्रत्येक रविवार को जायरीन बरात लेकर आते थे। यह बरात बिना दूल्हे की होती थी, लेकिन गाजे–बाजे के साथ पूरा दहेज का सामान होता था। इसमें सौ से डेढ़ सौ तक जायरीन होते थे। पूरा हुजूम नाचते हुए दरगाह पहुंचता था। वहां निशान गाड़ देते थे। इसके साथ त्रिशूल जिस पर लाल कपड़ा लपेटा जाता था, वह भी जहां यह बरात रुकती थी वहां गाड़ा जाता था। इसके बाद पूरी रात जश्न का माहौल रहता था। जगह–जगह कव्वाली व गोला दगाया जाता था। पूरे दरगाह क्षेत्र में करीब पांच लाख लोग रहकर अपनी जियारत करते थे। लेकिन इस वर्ष हाईकोर्ट के आदेश के बाद पहली बार बिना बरात, निशान व त्रिशूल के लोग आए। कहीं–कहीं पर कव्वालों ने कव्वाली गाने का प्रयास किया तो पुलिस ने भीड़ एकत्र करने से मना कर दिया। स्थिति यह रही की जहां पहले दरगाह में पहली चौथी (रविवार) को लाखों की संख्या में रहते थे। वहां 10 से 12 हजार लोग ही जियारत के लिए आए।

रात रुकने की नहीं इजाजत

दरगाह में रात रुकने की इजाजत नहीं है। पुलिस इस बात को लेकर सतर्क है कि कहीं भी भीड़ एकत्र न हो ताकि भगदड़ की स्थिति न बनने पाए। इसके लिए मेला परिसर में करीब डेढ़ हजार से अधिक पुलिस बल तैनात है।

जंजीरी गेट से हो रहा प्रवेश

दरगाह के अंदर जाने के लिए वैसे तो कई रास्ते हैं, लेकिन ज्यादातर जायरीन जंजीरी गेट से ही अंदर जा रहे हैं। यहां कोई भगदड़ न हो। इसके लिए भारी संख्या में गेट पर पुलिस तैनात है।

श्रावस्ती सांसद राम शिरोमणि वर्मा ने रविवार को दरगाह पहुंचकर जियारत की। इस मौके पर उनके साथ सपा के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर उन्होंने दरगाह को आस्था का केंद्र बताया।

सीमित संख्या में आएं जायरीन

हाईकोर्ट के आदेश पर दरगाह में सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जायरीनों को आने पर कोई रोक नहीं है, लेकिन वह सीमित संख्या में आएं। भीड़ का हिस्सा न बनें।

कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं

हम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं। कोर्ट ने हमें सभी धार्मिक आयोजन करने की छूट दी है, ।

इंस्पेक्टर बृजेश सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।?

शरीर की गांठें कभी बन सकती हैं कैंसर का कारण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।बांह या टांग में अचानक कोई गांठ महसूस होना कई बार चिंता का विषय बन सकता है। हालांकि अधिकतर मामलों में ये गांठें हानिरहित होती हैं, लेकिन कुछ मामलों में ये गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकती हैं, जिन्हें समय पर चिकित्सकीय जांच की आवश्यकता होती है। आम लोगों के लिए यह जानना जरूरी है कि कब डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और चिकित्सा पेशेवरों के लिए यह समझना जरूरी है कि मरीज को विशेषज्ञ के पास रेफर करने की जरूरत कब है। सबसे अहम सवाल यह होता है कि कहीं यह गांठ कैंसरजन्य (सारकोमा) तो नहीं है? मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, साकेत के मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी विभाग के सीनियर डायरेक्टर डॉ. अक्षय तिवारी ने बताया कि ष्अगर किसी गांठ का आकार या आकृति समय के साथ बदल रही है, तो यह खतरे का संकेत हो सकता है। गांठ का तेजी से बढ़ना, उसमें दर्द होना, या त्वचा का रंग व बनावट बदलना दृ ये सभी लक्षण इस बात की ओर इशारा कर सकते हैं कि गांठ सामान्य नहीं है। यदि गांठ लाल, सूजी हुई या छूने पर गर्म लगती है, या गांठ के साथ बुखार, थकावट या वजन कम होना जैसे लक्षण हों तो तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए। इसके अलावा, यदि गांठ 5 सेंटीमीटर से बड़ी हो या मांसपेशियों के अंदर गहराई में स्थित हो, तो यह सारकोमा हो सकता है। सारकोमा यानी हड्डी या मांसपेशियों का कैंसर, एक दुर्लभ बीमारी है। इसी वजह से इसे अक्सर देर से पहचाना जाता है या गलत निदान हो जाता है। यदि आपको हाल ही में कोई नई या असामान्य गांठ दिखाई दे, खासकर उपरोक्त चेतावनी संकेतों के साथ, तो तुरंत दृऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजिस्ट जैसे विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है। आमतौर पर जांच में रोगी का इतिहास, शारीरिक परीक्षण और आवश्यकतानुसार इमेजिंग टेस्ट या बायोप्सी शामिल होते हैं। समय पर पहचान और उपचार से न सिर्फ बीमारी का इलाज संभव होता है, बल्कि प्रभावित अंग की कार्यक्षमता भी बचाई जा सकती है। डॉ. तिवारी आगे कहते हैं, ष्स्वास्थ्य के मामले में सतर्कता सबसे बड़ी सुरक्षा है। अगर किसी गांठ को लेकर संदेह हो, या उसमें कोई बदलाव नजर आए, तो समय गंवाए बिना विशेषज्ञ से संपर्क करें। ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजिस्ट से परामर्श लेकर जांच कराना ही समझदारी है। अपना और अपनों का स्वास्थ्य सुरक्षित रखने के लिए जागरूक रहना जरूरी है। किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज न करें और समय रहते जांच कराएं दृ क्योंकि समय पर किया गया एक कदम, जीवन भर की सुरक्षा दे सकता है।

भाजपा सरकार में ब्राह्मणों का हो रहा उत्पीड़न, हुआ फर्जी एनकाउंटर - माता प्रसाद पांडेय

सुजानगंज जौनपुर। भाजपा लोकतंत्र का गला घोंटने वाला दल है। वर्तमान सरकार में ब्राह्मणों का फर्जी एनकाउंटर व हत्याएं हो चुकी है, उसमें कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उक्त बातें श्री मनो कामनासिद्ध दक्षिणीमुखी हनुमान मंदिर बहोरिकपुर मुंगराबादशाहपुर में जन संवाद फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित चिरंजीव भगवान श्री परशुराम मूर्ति स्थापना के लिए हुए भूमि पूजन पर मुख्य अतिथि बतौर यूपी विधानसभा नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र व प्रदेश की सरकार अपराध, महंगाई, भ्रष्टाचार पर कोई बंदिश नहीं है। पीडीए का मतलब पीड़तों से है। पीडीए जितना मजबूत होगा, आगामी 2027 विधानसभा में उतनी ही अधिक सीट सपा को मिलेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय,सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्यो,आयोजक पंकज मिश्रा,राम अकबाल यादव, सन्तोष द्विवेदी,अजय शुक्ला व ननकू राम यादव आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित व कलाकारों द्वारा मां गंगा की भव्य आरती के साथ हुआ। कार्यक्रम के पूर्व में भगवान श्री परशुराम की मूर्ति स्थापना के लिए विद्वान पंडितों ने मंत्रोच्चारण के बीच विधि विधान से भूमि पूजन संपन्न कराया। बिहार से आए भोजपुरी गायिका निशा उपाध्याय ने धोवत – धोवत तोहरी मंदिरवा हथवा खिअइले हो,आहे तबो नहीं काहे मैया दया तोहरा अइले हो...., श्री राम की गली में आना, नाचते–गाते मिलेंगे हनुमाना... द्वारा पेश भक्ति गीतों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।गायक आर्यन बाबू ने दुख भंजन मारुति नंदन, सुन लो मेरी पुकार पवनसुत विनती बारंबार....., पापा की कन्हैया वाला मजा नईखे कार में, नजर ना लगैं राम हमारा परिवार पर.. गीतों पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाई। बिहार की मशहूर गायिका नन्दनी स्वराज ने निमिया के ड़ाढ़ पर लावै ली झुलनवा झूमि झूमि ना, माई मोरी गवली नीतियां की झूमि झूमि ना...व लोक गायक विवेक मिश्रा श्वरदानश ने करलो केतनों जतिन कहीं कर ना परी, जबले देहिया पे गंगा जी के जल परी... आदि गीतों ने लोगो को झूमनें पर विवश कर दिया।बाल गायक विराट द्विवेदी ने द्वारा पेश भगवान शिव की स्तुति से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जन संवाद फाउंडेशन के चेयरमैन व सपा नेता पंकज मिश्रा ने मुख्य अतिथि समेत अतिथियों को पट्टा पहनाकर भागवत गीता पुस्तक व भगवान श्री परशुराम मूर्ति का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य,चंद्रशेखर तिवारी, राजन सिंह, राममूर्ति सरोज, राजेश विश्वकर्मा, प्रवीण सरोज, राकेश पटेल, रोहन पांडे, राजेश यादव, प्यारेलाल निषाद व दिनेश यादव आदि लोग मौजूद रहे।

सीएम डैशबोर्ड पर खराब रैंकिंग वाले विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों के वेतन डीएम ने रोके

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,20 मई । जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में सोमवार देर शाम सीएम डैशबोर्ड से संबंधित बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर दैनिक विद्युत आपूर्ति, भवन निर्माण, फैमिली आईडी, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, आदि की विस्तृत समीक्षा किया।बैठक में जिलाधिकारी ने ऐसे विभाग जिनके द्वारा डी या ई रैंकिंग प्राप्त की गई थी, उनके प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की इसके साथ ही जल जीवन मिशन ग्रामीण अंतर्गत विगत 45 दिनों में एफएसएसटी, टैप कनेक्शन का कोई भी कार्य न कराए जाने पर अधीक्षण अभियंता के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी अधिकारीगण, एई जेई सहित समस्त

स्टाफ के वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि पोर्टल पर नियमित फीडिंग कराएं। फैमिली आईडी की खराब प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसकी प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। आईजीआरएस में खराब रैंकिंग पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि आईजीआरएस पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का ससमय निस्तारण हो, संबंधित अधिकारी शिकायतकर्ता से संवाद करते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डॉ0 अरुण कुमार यादव, परियोजना निदेशक के के पांडे, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी दिव्य शुक्ला, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल सहित अन्य अधिकारीगण कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर को दी शुभकामनाएं

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कर्नल बीरेंद्र सिंह तोमर की शादी सालगिरह पर सेक्टर 5 वृंदावन योजना लखनऊ में उनके ऑफिस में कर्नल दयाशंकर दुबे, सूबेदार अशोक कुमार पाण्डेय, सूबेदार कामता सिंह, सूबेदार राकेश चंद्र त्रिपाठी आदि ने गुलदस्ता भेंट कर शुभकामनाएं दीं।

फीनिक्स यूनाइटेड मॉल, आलमबाग की 15वीं वर्षगांठ पर खरीदारी का जश्न, हर खरीदारी पर खुशियों की गारंटी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। फीनिक्स यूनाइटेड मॉल, आलमबाग इस महीने अपनी 15वीं वर्षगांठ मना रहा है। 10 मई से 1 जून तक चलने वाले इस विशेष आयोजन में मॉल हर दिन ग्राहकों के लिए नई खुशियों और सरप्राइज का तोहफा लेकर आया है। पूरे महीने चलने वाले इस सेलिब्रेशन में लकी विजेताओं को खरीदारी पर मिल रहा है रोमांचक इनाम। 17 मई को मॉल में हुए आकर्षक कलाकारों के लाइव परफॉर्मेंस पर सभी जमकर थिरके। अलादीन, मिरर मैन और हेडलेस मैन जैसे अद्भुत किरदारों ने बच्चों से लेकर बड़ों तक को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं 18 मई को मॉल में जगलर्स और रंगबिरंगे मैस्कॉट्स की मौजूदगी ने माहौल को और भी जिंदादिल बना दिया। इस अवसर पर ग्राहकों को बेहतरीन ऑफर्स भी दिए जा रहे हैं। ध्15,000 से अधिक की खरीदारी करने पर ग्राहक लकी ड्रॉ में हिस्सा ले सकते हैं। इतना ही नहीं, वही ग्राहक एक शानदार कार जीतने का भी मौका पा सकते हैं। टॉप 15 शॉपर्स को एक्सक्लूसिव मिस्ट्री गिफ्ट्स दिए जा रहे हैं और कुल मिलाकर दस लाख रुपये से अधिक के इनाम इस जश्न का हिस्सा हैं। 31 मई को इस उत्सव का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया जा रहा है, जिसमें हंसी का तड़का लगाएंगे मशहूर कॉमेडियन श्वीआईपीश और संगीत की मधुर प्रस्तुतियों से माहौल सजाएंगे श्सोरमोही ब्रदर्सश। यह दिन निश्चित रूप से मॉल में मौजूद हर व्यक्ति के लिए यादगार बन सकता है। फीनिक्स मिल्स के सीनियर सेंटर डायरेक्टर संजीव सरीन ने इस अवसर पर कहा कि फीनिक्स यूनाइटेड मॉल, आलमबाग का यह 15 वर्षों का सफर हमारे ग्राहकों के विश्वास और प्यार का प्रमाण है। यह मॉल सिर्फ एक शॉपिंग डेस्टिनेशन नहीं बल्कि लखनऊ के लोगों के जीवन का हिस्सा बन चुका है। इस सालगिरह को हम सिर्फ सेलिब्रेट नहीं कर रहे बल्कि अपने ग्राहकों के साथ एक नया अध्याय भी जोड़ रहे हैं। हम आगे भी लखनऊवासियों को बेहतरीन अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

समर कैंप का अनोखा समापनः बच्चों ने जाना पुलिसिंग, योग और आत्मविकास के सूत्र

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में आयोजित पांच दिवसीय समर कैंप का समापन एक विशेष अनुभव के साथ हुआ। बच्चों को ना

केवल खेलकूद और मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियों का हिस्सा बनने का मौका मिला, बल्कि वे पुलिसिंग व्यवस्था, सामाजिक जिम्मेदारियों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता से भी रूबरू हुए। समापन कार्यक्रम पुलिस कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जहाँ बच्चों को विविध शाखाओं की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

समर कैंप के अंतिम दिन बच्चों को हरदोई पुलिस कार्यालय ले जाया गया, जहाँ उन्हें सोशल मीडिया शाखा, आंकिक शाखा, महिला हेल्पडेस्क, यूपी–कॉप, आईजीआरएस सेल, शिकायत प्रकोष्ठ, एलआईयू और जन सूचना सेल जैसी महत्त्वपूर्ण इकाइयों के कार्यों से अवगत कराया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने स्वयं लगभग 40 मिनट बच्चों के बीच रहकर उन्हें पुलिसिंग व्यवस्था की बारीकियों से परिचित कराया। उन्होंने बच्चों को अनुशासन, लक्ष्य निर्धारण और परिश्रम जैसे मूल मंत्रों के साथ जीवन में सफल होने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक मुकेश सिंह, मुकुल सिंह, प्रधानाचार्य भूमिका सिंह तथा शिक्षिकाएं मंशा बाजपेई, सोनी तिवारी, कविता गुप्ता, अर्पित सिंह और कोमल यादव बच्चों के साथ मौजूद रहीं। कैंप के दौरान बच्चों ने चित्रकला, नृत्य, वादन, व्यंजन निर्माण सहित कई अन्य रोचक गतिविधियों में भाग लिया।

समर कैंप ने बच्चों को शिक्षा, मनोरंजन और नैतिक विकास का एक अनूठा मंच प्रदान किया, जो उनके भविष्य निर्माण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।

श्री डालसिंह मेमोरियल स्कूल में महिला पतंजलि योग समिति द्वारा समर कैंप के समापन अवसर पर एकदिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया पतंजलि महिला जिला प्रभारी विनीता पांडे द्वारा बच्चों को योग प्राणायाम कराया गया उन्होंने बताया कि योग प्राणायाम के माध्यम से बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हो सकते हैं बच्चों ने खड़े होकर ताड़ासन वृक्षासन पदहस्तान कटिचक्र अर्ध बैठक आदि अभ्यास किया आठ प्राणायाम के विषय में जानकारी और लाभ बताएं 1 भस्त्रिका फेफड़े मजबूत करने के लिए 2कपालभाति पेट के लिए मोटापा गैस आदि 3 बाह्य प्राणायाम त्रिबंध के साथ ,रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए, यूरिन से संबंधित समस्या निदान के लिए , 4 उज्जाई थायराइड के लिए, 5 अनुलोम विलोम माइग्रेन चर्म रोग कैंसर जैसे असाध्य रोगों के लिए के लिए, 6भ्रामरी एकाग्रता एवं स्मरण शक्ति बढ़ाने के लिए7 ओम का उच्चारण ,सकारात्मक सोच, एकाग्रता, मन को शांत 8 ध्यान मन इंद्रियों, पर नियंत्रण के लिए सहयोगी बहन कोषाध्यक्ष अनीता मिश्रा एवं प्रधानाचार्य भूमिका सिंह ने साथ में योग कराया। इस मौके पर शिक्षिकाओं में ऐश्वर्या सिंह, लवी मिश्रा, सोनम शुक्ला, आरती वर्मा, प्रज्ञा तिवारी निकिता वर्मा आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की खुशी में राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने निकाली तिरंगा यात्रा

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

ब्लॉक शाहाबाद परिसर से डाक बंगला होते हुए अंबेडकर पार्क, बस स्टैंड जाकर सिनेमा चौराहा होते हुए लगभग 700 मीटर यात्रा करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं व स्कूली बच्चों ने हाथ में तख्तियां लेकर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाते हुए वीर सैनिकों शौर्यता और अदम्य साहस का गुणगान और भारत माता के जयकारों के साथ तिरंगा रैली उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी के नेतृत्व में नगर के हृदय बस स्टैंड होते हुए ब्लॉक में आकर संपन्न हुई। ध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र, नगर अध्यक्ष अनिल पांडेय षपिंटूष सुभाष रस्तोगी, जिलामहामंत्री सत्येन्द्र कुमार राजपूत, यात्रा संयोजकधजिलाउपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित, डी.सी.

डी.एफ चेयरमैन रामदास गुप्ता,ब्लाक प्रमुख शाहाबाद त्रिपुरेश मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख टोडरपुर प्र. श्याम बाबू त्रिवेदी जी ,ब्लॉक प्रमुख पिहानी कुशी बाजपेयी, केन ग्रोवर्स चेयरमैन रंजीत सिंह, पि.मो.जिलाध्यक्ष वेदराम राजपूत, डा.मुरारीलाल गुप्ता, समाजसेवी संजय मिश्रा बब्लू जि.पं.सदस्य लालाराम राजपूत, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेन्द्र सिंह राना, सभासद अतुल मिश्रा, सभासद रचित गुप्ता मंडल अध्यक्ष मनोज राजपूत , मंडल अध्यक्ष श्री अनुज राजपूत जी मंडल अध्यक्ष श्री श्रवण कुमार वर्मा जी, अमन सिंह के साथ दर्जनों प्रधान, जिला पंचायत सदस्य, व विधान सभा क्षेत्र के जिम्मेदारो द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति से ऑपरेशन सिंदूर की सार्थकता प्रकट हुई और उसके साथ क्षेत्र लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे। पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुज मिश्रा, कोतवाल ब्रजेश कुमार राय के नेतृत्व में क्षेत्रीय पुलिस बल भारी संख्या में सुरक्षा व्यवस्था में चौकन्नी रही।

कायस्थ कल्याण समिति ने किया श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर कायस्थ कल्याण समिति जौनपुर द्वारा ,समिति के पूर्व युवा अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के जिला महामंत्री ऋषिकेश श्रीवास्तव श्शैंकीश के दुखद निधन पर ,एक श्रद्धान्जलि सभा का आयोजन आज दिनांक 19 मई 2025 को जनक कुमारी इंटर कॉलेज के सभागार में किया गया । इस श्रद्धान्जलि सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय ऋषिकेश के व्यक्तित्व ,नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में ही लोगों के दिल में अपनी जगह बना लेने वाले एक युवा के रूप में कायस्थ समाज ही नहीं जनपद अपितु प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान बना ली थी । स्वर्गीय ऋषिकेश की दुखद मृत्यु अत्यंत ही पीड़ा दायक है एवं समाज के लिए भारी क्षति। उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर से इस दुखद घटना पर अपनी हार्दिक शोक संवेदना व्यक्त किया और ईश्वर से प्रार्थना किया कि पीड़ित परिवार को इस बज्रपात को सहने की क्षमता प्रदान करें। शोक सभा अपने विचार व्यक्त करने वालों में कायस्थ कल्याण समिति के संस्थापक सदस्य सुनील अस्थाना ,संरक्षक प्रदीप श्रीवास्तव डी ओ, प्रदीप श्रीवास्तवश ऑडिट ऑफिसरश, अ भा का म के प्रदेश महासचिव राकेश श्रीवास्तव (आरटीओ), वरिष्ठ पत्रकार एवं अभाकाम महासचिव संजय अस्थाना,वरिष्ठ पत्रकार दीपक श्रीवास्तव, अध्यक्ष डॉ रवि श्रीवास्तव,महासचिव विपनेश

अभाकाम के राष्ट्रीय सचिव रवि श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव, भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय महासचिव पंकज श्रीवास्तव हैप्पी, जिला अध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव, महामंत्री शरद श्रीवास्तव ,महासचिव विपनेश श्रीवास्तव एवं अन्य पदाधिकारी जिसमें भालेन्द्र श्रीवास्तव गिरीश श्रीवास्तव, अमित निगम गौरव श्रीवास्तव ,मनीष श्रीवास्तव , कोषाध्यक्ष आलोक रंजन सिन्हा गिरवर अस्थाना, अनूप सिन्हा, जयप्रकाश श्रीवास्तव ,अरविंद श्रीवास्तव, विनय श्रीवास्तव, डॉ अखिलेश चंद्र श्रीवास्तव, संदेश श्रीवास्तव, हरिश्चन्द्र श्रीवास्तवसनी श्रीवास्तव प्रशान्त श्रीवास्तव ,प्रिन्स श्रीवास्तव , शिवम श्रीवास्तव ,चंचल श्रीवास्तव के साथ अनेक चित्रांश बन्धु उपस्थित रहे ! संचालन विपनेश श्रीवास्तव ने किया !

बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान न होने के कारण कार्य बहिष्कार शुरू

अयोध्या।उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन एवं इसके सहयोगी निगमों द्वारा अपने स्वयं के आदेश का उलंघन कर लगभग 45 प्रतिशत बिजली आउटसोर्स कर्मचारियों कि छंटनी करने, 55 वर्ष का हवाला देकर कर्मचारियों को कार्य से हटाने, कार्य के अनुरूप अनुबंध न करने, वेतन भुगतान में भेदभाव करने, मार्च 2023 में हटाए गए कर्मचारियों को कार्य पर वापस न लेने, हटाए गए कर्मचारियों के बकाए वेतन का भुगतान न करने,ई पी एफ घोटाले कि जांच न कराने, घायल कर्मचारियों का कैशलैस इलाज न कराने आदि के कारण संघ द्वारा 15 मई 2025 को शक्ति भवन लखनऊ पर सत्याग्रह किया गया। किन्तु पावर कार्पोरेशन प्रबन्धन द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों कि समस्याओ पर ध्यान नहीं दिया गया।जिसको ध्यान में रखकर संगठन 20 मई 2025 के ए पाली से 72 घंटे का कार्य बहिष्कार करने कि घोषणा की गई।

70 व उससे अधिक उम्र के अलावा व अन्य पात्र लोग ले आयुष्मान कार्ड का लाभ – सीएमओ

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोग आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 5 लाख रुपये तक इस योजना के तहत चिन्हित सरकारी तथा निजी चिकित्सालय में गंभीर रुप से बीमार लाभार्थी अपना निःशुल्क इलाज कर सकते हैं।इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही इस महत्वपूर्ण योजना के पात्र लाभार्थी इस योजना का लाभ ले सकते हैं।यह बात सीएमओ डॉ सुशील कुमार ने बताई।बताया कि इस समय जिले में कुल 16 सरकारी अस्पतालों तथा 22 निजी चिन्हित अस्पतालों में लाभार्थी इस योजना का लाभ ले सकते हैं।जिले में इस योजना के लिए चयनित सरकारी अस्पतालों में मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर, जिला महिला चिकित्सालय,जिला पुरुष चिकित्सालय,श्री राम अस्पताल अयोध्या धाम, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदौली, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहावल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मवई,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मया बाजार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरिटनगंज,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

पूरा बाजार,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तारुन,सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मसौधा व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खंडासा चिन्हित किए गए हैं। जबकि निजी चिकित्सालयों में चिरंजीव हॉस्पिटल, लाइफलाइन हॉस्पिटल, निर्मला हॉस्पिटल, जगत हॉस्पिटल, सीताराम मेडिकल सेंटर, अयोध्या आई हॉस्पिटल, अयोध्या फेको सेंटर, राजराजेश्वरी हॉस्पिटल, रेनू मेमोरियल ऑर्थो एंड मेडिकल सेंटर,श्री राम नेत्रालय अयोध्या, दिव्या हॉस्पिटल, डॉक्टर एस डी यादव मेमोरियल नव दृष्टि आई सेंटर, आनंद मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, गोमती हॉस्पिटल, सोना हॉस्पिटल, श्री दीनबंधु नेत्र चिकित्सालय,संजाफी हॉस्पिटल, अली हॉस्पिटल रुदौली,दीर्घायु हॉस्पिटल सोहावल, मेडिसिटी हॉस्पिटल, झुनझुनवाला हॉस्पिटल आशापुर तथा बालाजी हॉस्पिटल चिन्हित किए गए हैं।उन्होंने बताया कि लाभार्थी इस योजना का लाभ पाने के लिए आयुष्मान कार्ड सरकारी अस्पतालों पंचायत भवन तथा जन सेवा केंद्रों पर निशुल्क बनाया जाता है जिसके लिए आधार कार्ड की जरूरत पड़ती है और परिवार की पहचान हेतु राशन कार्ड अथवा परिवार रजिस्टर की नकल अवश्य ले जाएं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।